CBSE Class 7 Social Science Important Questions History Chapter 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनीतिक गठन

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
औरंगजेब की मृत्यु किस वर्ष में हुई?
उत्तर:
औरंगजेब की मृत्यु सन् 1707 ई. में हुई।

प्रश्न 2.
भारत पर पाँच बार आक्रमण किस अफगान शासक ने किया?
उत्तर:
अफगान शासक अहमदशाह अब्दाली ने उत्तरी भारत पर सन् 1748 से 1761 के बीच पाँच बार आक्रमण किया।

प्रश्न 3.
मुगल साम्राज्य के अंतिम वर्षों में दो प्रमुख अभिजात्य समूहों के नाम लिखिये।
उत्तर:
मुगल साम्राज्य के अंतिम वर्षों में दो प्रमुख अभिजात्य समूह थे-इरानी और तूरानी।

प्रश्न 4.
1739 ई. में देहली पर किसने आक्रमण किया?
उत्तर:
1739 ई. में ईरान के शासक नादिर शाह ने देहली पर आक्रमण किया।

प्रश्न 5.
जाट कौन थे?
उत्तर:
जाट एक कृषक जाति थी। वह देहली, मथुरा तथा आगरा के इर्द-गिर्द क्षेत्र में रहती थी।

प्रश्न 6.
जाटों के प्रमुख व्यापारिक केन्द्रों के नाम लिखिये।
उत्तर:
पानीपत और बल्लभगढ़ जाटों के दो प्रमुख व्यापारिक केन्द्र थे।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 7.
सूरजमल कौन था?
उत्तर:
सूरजमल राजस्थान के भरतपुर राज्य का शासक था। उसने भरतपुर राज्य को एक शक्तिशाली राज्य में बदल दिया।

प्रश्न 8.
हैदराबाद राज्य का संस्थापक कौन था?
उत्तर:
निजाम-उल-मुल्क आसफजहाँ हैदराबाद राज्य का संस्थापक था।

प्रश्न 9.
गुरु गोविन्दसिंह कौन थे?
उत्तर:
गुरु गोविन्दसिंह सिक्खों के दसवें तथा अंतिम गुरु थे।

प्रश्न 10.
औरंगजेब की मृत्यु के बाद कौन-कौन सी शक्तियाँ उभरकर आईं?
उत्तर:
औरंगजेब की मृत्यु के बाद सिक्ख, मराठा, राजपूत और जाट शक्तियाँ उभरकर आईं।

प्रश्न 11.
मुगल साम्राज्य के पतन के दो प्रमुख कारण लिखिए।
उत्तर:

- आर्थिक संकट
- आंतरिक गुटबन्दी।

प्रश्न 12.
जाट राज्य की स्थापना किसने की थी?
उत्तर:
जाट राज्य की स्थापना चूड़ामन ने की थी।

लघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
अवध, बंगाल तथा हैदराबाद राज्य के संस्थापकों के नाम लिखिए।
उत्तर:

- अवध-सआदत खान
- बंगाल-मुर्शीद अली खान
- हैदराबाद-आसफजाह।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 2.
परवर्ती मुगल साम्राज्य में जमींदारों व किसानों के विद्रोह व कृषक आंदोलन किस क्षेत्र में और क्यों हुए?
उत्तर:
परवर्ती मुगल साम्राज्य में उत्तरी तथा पश्चिमी भारत के अनेक हिस्सों में जमींदारों और किसानों के विद्रोह और कृषक आंदोलन हुए। ये विद्रोह कभी-कभी बढ़ते हुए करों के भार के विरुद्ध किए गए थे और कभी-कभी ये शक्तिशाली सरदारों द्वारा अपनी स्थिति को सुदृढ़ बनाने के लिए हुए थे।

प्रश्न 3.
नादिरशाह ने मुगल कोष से किस तरह का धन लूटा?
उत्तर:
एक समकालीन प्रेक्षक ने नादिरशाह द्वारा मुगल कोष से लूटे गए धन का वर्णन इस प्रकार किया है"नादिरशाह साठ लाख रुपये और कई हजार सोने के सिक्के, लगभग एक करोड़ रुपये के सोने के बर्तन, लगभग पचास करोड़ रुपये के गहने, जवाहरात और अन्य चीजें ले गया, जिनमें से कुछ तो इतनी बेशकीमती थीं कि दुनिया में उनका मुकाबला कोई नहीं कर सकता है, जैसे-तख्ते ताउस यानी मयूर सिंहासन।"

प्रश्न 4.
अभिजातों के विभिन्न समूहों ने मुगल साम्राज्य को किस प्रकार कमजोर किया?
उत्तर:
अभिजातों के विभिन्न समूहों की पारस्परिक प्रतिद्वन्द्विता ने परवर्ती मुगल साम्राज्य को अत्यधिक कमजोर बना डाला। ये अभिजात दो बड़े गुटों में बंटे हुए थे-ईरानी और तूरानी (तुर्क मूल के)। काफी समय तक परवर्ती मुगल बादशाह इनमें से एक या दूसरे समूह के हाथों की कठपुतली बने रहे। दो मुगल बादशाहों-फर्रुखसियर (1713-1719) तथा आलमगीर द्वितीय (1754-1759) की हत्या कर दी गई थी तथा दो अन्य बादशाहों-अहमदशाह (17481754) और शाह आलम द्वितीय को उनके अभिजातों ने अंधा कर दिया।

- राज्य, राजस्व का ठेका सबसे ऊँची बोली लगाने वाले इजारेदार को देता था।
- इजारेदार राज्य को एक निश्चित रकम के भुगतान का वचन देते थे।
- स्थानीय साहूकार राज्य को ठेके की इस रकम के भुगतान की गारंटी देते थे।
- इजारेदारों को कर का मूल्यांकन करने और उसे एकत्र करने की खासी छूट दे दी गई थी।

प्रश्न 5.
18वीं सदी के नए स्वतंत्र राज्यों को कितने समूहों में वर्गीकृत किया जा सकता है?
उत्तर:
18वीं सदी के नए स्वतंत्र राज्यों को मोटे तौर पर तीन परस्परव्यापी समूहों में बाँटा जा सकता है। यथा-

- अवध, बंगाल और हैदराबाद-ये राज्य पहले मुगल प्रांत थे। यद्यपि इन राज्यों के शासक अत्यन्त शक्तिशाली थे। और काफी हद तक स्वतंत्र थे, लेकिन इन्होंने मुगल बादशाह से औपचारिक तौर पर अपने सम्बन्ध नहीं तोड़े थे।
- राजपूत राज्य-ये ऐसे राज्य थे जो मुगलों के पुराने शासन काल में वतन जागीरों के रूप में काफी स्वतंत्र थे।
- मराठा, सिक्ख और जाट राज्य-इन राज्यों ने कड़े और लम्बे संघर्ष के बाद मुगलों से स्वतंत्रता छीन ली थी।

प्रश्न 6.
निजाम-उल-मुल्क आसफजाह ने किस प्रकार हैदराबाद राज्य की स्थापना की?
उत्तर:
निजाम-उल-मुल्क आसफजाह मुगल बादशाह फर्रुखशियर के दरबार का एक अत्यन्त शक्तिशाली सदस्य था। उसे सर्वप्रथम अवध की सूबेदारी सौंपी गई थी और बाद में उसे दक्कन का कार्यभार दे दिया गया था। 1720-22 के मध्य ही दक्कन प्रान्तों का सूबेदार होने की वजह से उसके पास पहले से ही राजनीतिक और वित्तीय प्रशासन का पूरा नियंत्रण था। दक्कन में होने वाले उपद्रवों और मुगल दरबार में चल रही प्रतिस्पर्धी का फायदा उठाकर उसने सत्ता हथियायी और उस क्षेत्र (हैदराबाद) का वास्तविक शासक बन गया।

प्रश्न 7.
बुरहान-उल-मुल्क सआदत खान कौन था? उसने मुगल प्रभाव को कम करने के लिए क्या कदम उठाए?
उत्तर:
बुरहान-उल-मुल्क सआदत खान को 1722 ई. में मुगल सम्राट ने अवध का सूबेदार नियुक्त किया था। मुगल प्रभाव को कम करने के लिए उठाए गए कदम-

- उसने अवध की सूबेदारी, दीवानी और फौजदारी एक साथ अपने हाथ में ले ली और सूबे के राजनीतिक, वित्तीय और सैनिक मामलों का एकमात्र कर्ताधर्ता बन गया।
- उसने अवध क्षेत्र में मुगलों द्वारा नियुक्त अधिकारियों (जागीरदारों) की संख्या में कटौती कर दी तथा जागीरों के आकार में कटौती कर अपने निष्ठावान सेवकों को नियुक्त किया।
- उसने जिलों के राजस्व को फिर से निर्धारित किया।

प्रश्न 8.
अवध राज्य ऋण प्राप्त करने के लिए स्थानीय सेठ साहूकारों और महाजनों पर क्यों निर्भर था?
उत्तर:
अवध राज्य ऋण प्राप्त करने के लिए स्थानीय सेठ, साहूकारों और महाजनों पर निर्भर रहता था क्योंकि-

- राज्य, राजस्व का ठेका सबसे ऊँची बोली लगाने वाले इजारेदार को देता था।
- इजारेदार राज्य को एक निश्चित रकम के भुगतान का वचन देते थे।
- स्थानीय साहूकार राज्य को ठेके की इस रकम के भुगतान की गारंटी देते थे।
- इजारेदारों को कर का मूल्यांकन करने और उसे एकत्र करने की खासी छूट दे दी गई थी।

प्रश्न 9.
मुर्शीद अली खान ने बंगाल में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए क्या कदम उठाए?
उत्तर:

- मुर्शीद अली खान ने बंगाल राज्य के राजस्व प्रशासन पर अपना नियंत्रण जमाया।
- उसने बंगाल में मुगल प्रभाव को कम करने के लिए बंगाल के राजस्व का बड़े पैमाने पर पुनः निर्धारण करने का आदेश दिया।
- सभी जमींदारों से बड़ी कठोरता से राजस्व वसूला जाता था। परिणामस्वरूप, बहुत से जमींदारों को महाजनों और साहूकारों से उधार लेना पड़ता था। जो लोग राजस्व का भुगतान नहीं कर पाते थे, उन्हें मजबूरन अपनी जमीनें बड़े जमींदारों को बेचनी पड़ती थीं।

प्रश्न 10.
'वतन जागीरी' का आशय स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
बहुत से राजपूत घराने मुगल व्यवस्था में विशिष्टता के साथ सेवारत रहे थे। इन सेवा के बदले उन्हें अपने राज्य क्षेत्र (वतन) में कुछ भूमि क्षेत्र का अधिकार प्रदान करते थे, इस भूमि क्षेत्र को 'वतन जागीर' कहा जाता था। उन्हें अपनी वतन जागीरों पर पर्याप्त स्वायत्तता का आनंद लेने की अनुमति मिली हुई थी।

प्रश्न 11.
राजपूत राजाओं के पहाड़ियों पर बने किलों के स्थापत्य पर संक्षिप्त टिप्पणी
लिखिए।
उत्तर:
कई राजपूत राजाओं ने पहाड़ियों की चोटियों पर किले बनाए। व्यापक किलेबंदी के साथ इन भव्य संरचनाओं में नगर, महलों, मंदिर, व्यापारिक केन्द्र, जल संग्रहण संरचनाएँ और अन्य इमारतें होती थीं। उदाहरण के लिए चित्तौड़गढ़ किले में तालाब, कुएँ, बावली जैसे कई जल निकाय थे।

प्रश्न 12.
शिवाजी पर एक टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:
शिवाजी-17वीं सदी के अन्त तक दक्कन में शिवाजी के नेतृत्व में एक शक्तिशाली राज्य के उदय की शुरुआत हुई जिससे अन्ततः एक मराठा राज्य की स्थापना हुई। यथा-

- जन्म-शिवाजी का जन्म 1630 ई. में शाहजी और जीजाबाई से हुआ। अपनी माता और अभिभावक दादा कोंडदेव के मार्ग निर्देशन में शिवाजी कम उम्र में ही विजयपथ पर निकल पड़े।
- मवाला पठारों के मुखिया-जावली पर कब्जे ने उन्हें मवाला पठारों का अविवादित मुखिया बना दिया जिसने उनके क्षेत्र विस्तार का पथ प्रशस्त किया।
- बीजापुर तथा मुगलों के विरुद्ध संघर्ष और मराठा राज्य की स्थापना-बीजापुर और मुगलों के खिलाफ संघर्ष ने उन्हें विख्यात व्यक्तित्व बना दिया। वे विरोधियों के खिलाफ प्रायः गुरिल्ला युद्ध कला का प्रयोग करते थे। चौथ और सरदेशमुखी पर आधारित राजस्व संग्रह प्रणाली की सहायता से उन्होंने एक मजबूत मराठा राज्य की नींव रखी।

प्रश्न 13.
'बाजीराव प्रथम' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:
बाजीराव प्रथम-

- बाजीराव प्रथम, जो बाजीराव बल्लाल के नाम से भी जाने जाते हैं, पेशवा बालाजी विश्वनाथ के पुत्र थे।
- वह एक महान मराठा सेनापति थे। उन्हें विंध्य के पार मराठा राज्य के विस्तार का श्रेय प्राप्त है।
- वे मालवा, बुंदेलखंड, गुजरात और पुर्तगालियों के खिलाफ सैन्य अभियानों के लिए जाने जाते हैं।

प्रश्न 14.
'जाटों की शक्ति सूरजमल के समय पराकाष्ठा पर पहुँची।' इस कथन को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:

https://www.evidyarthi.in/

जाटों की शक्ति सूरजमल के समय पराकाष्ठा पर पहुँची क्योंकि सूरजमल ने 1756-1763 के दौरान भरतपुर जाट राज्य को संगठित किया। उसके राजनैतिक नियंत्रण में जो क्षेत्र शामिल थे उसमें आधुनिक पूर्वी राजस्थान, दक्षिणी हरियाणा, पश्चिमी उत्तरप्रदेश और दिल्ली शामिल थे। सूरजमल ने कई किले और महल बनवाए जिनमें भरतपुर का प्रसिद्ध लोहागढ़ का किला इस क्षेत्र में बने सबसे मजबूत किलों में से एक था।

evidyarthi